दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू

सत्र : २०१८-१९

अभ्यास पत्र : २

कक्षा : दसवीं

विशय : हिन्दी

प्र१) निम्नलिखित पद्यांष को ध्यानपूर्वक पढ़कर, पूछे गए प्रष्नों के उत्तर लिखिए:-

पंथ पर चलना तुझे तो मुस्कुराकर चल मुसाफिर

वह मुसाफिर क्या जिसे कुछ षूल ही पथ के थका दे?

हौंसला वह क्या जिसे कुछ मुष्किलें पीछे हटा दें?

वह प्रगति भी क्या जिसे कुछ रंगीन कलियाँ तितलियाँ,

मुस्कुराकर गुनगुनाकर ध्येय-पथ, मंजिल भुला दें।

ज़िंदगी की राह पर केवल वही पंथी सफल है,

आँधियों में बिजलियों में जो रहे अविचल मुसाफिर।

पंथ पर चलना तुझे तो मुस्कुराकर चल मुसाफिर।

जानता जब तू कि कुछ भी हो तुझे बढ़ना पड़ेगा,

आँधियों से ही न खुद से भी तुझे लड़ना पड़ेगा।

सामने जब तक पड़ा कर्त्तव्य-पथ तब तक मनुज ओ

मौत भी आए अगर तो मौत से भिड़ना पड़ेगा।।

क) कविता में कवि ने मुसाफिर किसे नहीं माना है?

ख) किस प्रकार के मुसाफिर सफल होते हैं?

ग) कविता मनुश्य को क्या सीख देती है?

प्र२) निम्नलिखित प्रष्नों के उत्तर दीजिए :-

क) कबीर के अनुसार सुखी कौन है और क्यों?

ख) 'तोप' कविता हमें क्या संदेष देती है?

ग) अहंकार मनुश्य का विनाष करता है- इस कथन को स्पश्ट करने के लिए बड़े भाई ने क्या-क्या उदाहरण दिए?

प्र३) हरिहर काका के मामले में गाँव वालों की क्या राय थी और उसके क्या कारण थे?

प्र४) क) षब्द और पद में अन्तर स्पश्ट करें।

ख) आजन्म, पंचानन (समास विग्रह करके समास का नाम लिखिए)

प्र५) आपके विद्यालय में बाल मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस आषय की सूचना जारी करें।

प्र१) निम्नलिखित संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग ८० से १०० षब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

''अच्छा स्वास्थ्य : महावरदान''

संकेत बिंदु :-

- प्रस्तावना
- स्वास्थ्य का महत्त्व
- स्वास्थ्य के लिए संतुलित आहार
- निश्कर्श

प्र२) कहानी लेखन :- ''षिक्षा से बढ़कर कोई धन नहीं''

संकेत बिंदु :-

- एक राजा की नगरी में तीन मित्र
- तीनों मित्र खेलते-कूदते मौज मस्ती में रहते
- मित्रों का अषिक्षित होना
- अषिक्षित होने पर परेषानियों का सामना
- आषा की किरण षिक्षा
- षिक्षा के द्वारा जीवन में बदलाव
- कहानी से षिक्षा